हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 8 जून 2026

10 ट्रैक्टर का चालान काटने पर हंगामा, एक घंटा किया रोड जाम

10 एमएम कॉलेज में यूजी दाखिले शुरू, 15 जून तक करें आवेदन

खबर संक्षेप

ब्रेकर से उछल कर गिरे बाइक सवार की मौत

सिरसा। हिसार रोड पर बाजेकां नाका के निकट मोटरसाइकिल से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। राहगीरों ने घायल को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें मोटरसाइकिल सवार ब्रेकर से उछलकर गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार बाइक सवार सिरसा शहर से हिसार रोड की तरफ जा रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक ब्रेकर पर उछल गई।

खेतों में बनी पानी की डिग्गी से मिला शव

डबवाली। उपमंडल के गांव रिसालियाखेड़ा से लापता युवक का शव दो किलोमीटर दूर खेतों में बनी पानी की डिग्गी से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डबवाली के नागरिक अस्पताल में पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। गांव रिसालियाखेड़ा निवासी गुरदीप शनिवार को घर से लापता हो गया था। परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए थे। रविवार को ग्रामीणों ने खेतों में बनी पानी की डिग्गी में एक शव देखा और इसकी जानकारी पुलिस को दी गई।

बस के इंतजार में खड़ा नशा तस्कर दबोचा

फतेहाबाद।। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत सीआईए रतिया पुलिस ने बीघड़ रोड, फतेहाबाद निवासी गोपाल दास को 7 किलो 100 ग्राम डोडा चूरा पोस्त के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीआईए रतिया प्रभारी उप-निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम को पुख्ता जानकारी मिली थी कि आरोपी गोपाल दास रतिया-फतेहाबाद रोड स्थित ढाणी खानपुर मोड़ के पास प्लास्टिक के कट्टे में नशीला पदार्थ लेकर बस का इंतजार कर रहा है।

खैरातीखेड़ा रोड से तस्कर को किया काबू

फतेहाबाद। फतेहाबाद की बस अड्डा चौकी पुलिस ने गश्त के दौरान मुस्तैदी दिखाते हुए खैरातीखेड़ा रोड पर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 7.25 ग्राम स्मैक और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल को जब्त किया है। बस अड्डा चौकी प्रभारी पीएसआई सुमित ने बताया कि पुलिस टीम अपराध रोकथाम के सिलसिले में भट्टू रोड क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली जिसके आधार पर कार्रवाई की गई।

गाद और झाड़ियों से अटे नालों के बीच प्रशासन की तैयारियां कटघरे में

2023 की तबाही को भूला सिस्टम, मानसून सिर पर, घग्गर और रंगोई में सफाई अधूरी

सताने लगी जलभराव की चिंता, पुराने हालात दोहराने का डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मानसून की दस्तक से पहले जहां बाढ़ और जलभराव से बचाव के इंतजाम पूरे हो जाने चाहिए थे, वहीं फतेहाबाद जिले में हालात इसके उलट दिखाई दे रहे हैं। जिले के प्रमुख जल निकासी मार्ग रंगोई नाला और ड्रेनेज चैनलों की सफाई का अधिकांश काम अब भी अधूरा पड़ा है। विभागीय आंकड़े बताते हैं कि अब तक केवल तीसरा हिस्सा ही सफाई कार्य ही पूरा हो पाया है, जबकि दो तिहाई प्रतिशत हिस्सा अभी भी गाद, झाडिय़ों और रुकावटों से भरा पड़ा है। हालात देखकर ऐसा लगता है मानो संबंधित विभाग मानसून या बाढ़ का इंतजार कर रहा हो। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अधिकारियों को वर्ष 2023 की भयावह बाढ़ की विभीषिका याद नहीं है। उस वर्ष जिले ने दशकों की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदा झेली थी। घग्घर और अन्य जल निकासी मार्गों पर दबाव बढऩे के कारण लाखों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई थी। हजारों पशु-मवेशी बाढ़ की चपेट में आ गए थे। अनेक गांवों और ढाणियों का संपर्क टूट गया था। कई परिवारों को अपने घर छोडक़र सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी थी। प्रशासन को राहत और बचाव कार्यों के लिए दिन-रात मशक्कत करनी पड़ी थी।

निचले इलाकों में हुआ था सबसे ज्यादा असर

बाढ़ का सबसे अधिक असर निचले इलाकों और उन गांवों पर पड़ा था जहां पानी की निकासी व्यवस्था कमजोर थी। आज भी सहनाल, अहरवां, अयालकी, गदली और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग उस भयावह मंजर को नहीं भूले हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 2023 की त्रासदी के बाद उम्मीद थी कि विभाग मानसून से पहले जल निकासी चैनलों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा, लेकिन इस बार भी कार्य की गति निराशाजनक बनी हुई है।

फतेहाबाद। रंगोई नाले में भरी जलखुंबी।

2023 की बाढ़ की यादें अब भी ताजा

- लाखों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूबी थी
- हजारों पशु-मवेशियों की जान पर बन आई थी
- अनेक गांव और ढाणियां जलमग्न हो गई थीं
- सैंकड़ों परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा था
- करोड़ों की फसल और संपत्ति का नुकसान हुआ था

वर्तमान स्थिति

- 28 फीसदी सफाई कार्य पूरा
- बाकी कार्य अब भी बाकी
- 15 जून तक पूरा करने का दावा
- सहनाल, अहरवां, अयालकी, गदली समेत कई गांवों पर जलभराव का खतरा।

अलग खबर

बारिश में बढ़ सकती है परेशानी

रतिया क्षेत्र के रंगोई खरीफ चैनल में आरडी 51000 से 65000 तक गाद निकालने का कार्य चल रहा है। विभाग के अनुसार यहां भी अभी केवल 35 से 50 प्रतिशत काम ही पूरा हुआ है। नाले और चैनलों में जमा गाद पानी के बहाव को रोक सकती है। ऐसे में मानसून के दौरान खेतों और आबादी वाले क्षेत्रों में जलभराव का खतरा बढ़ जाएगा।

हिसार में काम पूरा, फतेहाबाद में सुस्ती

हिसार-घग्गर मल्टीपर्पज चैनल में सफाई और झाडियों की कटाई का कार्य पूरा होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन फतेहाबाद जिले के कई हिस्सों में अब भी काम अधूरा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब मानसून सिर पर है तो तैयारियां अब तक पूरी क्यों नहीं हो सकीं।

समय सीमा पर भी सवाल

विभाग ने 15 जून तक शेष कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि मौजूदा प्रगति को देखते हुए इस लक्ष्य पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि मानसून समय से पहले सक्रिय हो गया तो अधूरी सफाई के कारण हालात बिगड़ सकते हैं और 2023 जैसी स्थिति दोबारा पैदा होने का खतरा बना रहेगा।

गणेश कॉलोनीवासियों ने दोषी ठेकेदार के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

करोड़ों की लागत से पार्कों में लगाएं झूले व खेल उपकरण टूटे

भूना। गणेश कॉलोनी में शहीद सुखदेव सिंह पार्क में टूटे झूले।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

बच्चों के मनोरंजन और नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न पार्कों में करोड़ों रुपए की लागत से झूले और ओपन जिम यंत्र लगाए गए थे, लेकिन रखरखाव के अभाव और कथित तौर पर घटिया सामग्री के इस्तेमाल के कारण कई स्थानों पर ये उपकरण समय से पहले ही टूटकर कबाड़ में तब्दील हो गए हैं। हालत यह है कि पार्कों में खेलने आने वाले बच्चों और व्यायाम करने वाले लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं।गणेश कॉलोनी स्थित शहीद सुखदेव सिंह व शहीद चंद्रशेखर पार्क सहित कई पार्कों में बच्चों के झूले क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़े हैं। कहीं पाइप मुड़े हुए हैं तो कहीं नट-बोल्ट गायब हैं। जिससे बच्चों के घायल होने का खतरा बना हुआ है।

अभिभावक बच्चों को पार्क में भेजने से डर रहे

स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि दुर्घटना की आशंका के चलते उन्होंने बच्चों को पार्क भेजना कम कर दिया है। उधर, बुजुर्गों और युवाओं के लिए लगाए गए योग व व्यायाम यंत्र भी बदहाल स्थिति में हैं। कई यंत्रों पर जंग लग चुकी है, कुछ के हैंडल टूट गए हैं तो कुछ जमीन से उखडऩे लगे हैं। सुबह-शाम सैर करने आने वाले लोगों का कहना है कि इन उपकरणों का उपयोग करना अब जोखिम भरा हो गया है। वार्ड निवासी राकेश कुमार, ईश्वर सिंह और सुनील कुमार ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। उनका कहना है कि जनता के पैसे से लगाए गए उपकरणों की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए। लोगों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए।

वार्ड पार्षदों व सदस्यों ने जानी कचरा निस्तारण प्रक्रिया

सिरसा। वार्ड पार्षदों और वार्ड कमेटी सदस्यों ने ने गांव बकरियांवाली स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट में संचालित कचरा प्रबंधन एवं निस्तारण प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान उन्हें प्लांट में कूड़े के संग्रहण, छंटाई, प्रसंस्करण तथा निस्तारण की पूरी प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान नगर परिषद के चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर जयवीर सिंह ने बताया कि प्लांट में शहर से एकत्रित होने वाले ठोस अपशिष्ट को विभिन्न श्रेणियों में अलग-अलग कर उसका उचित प्रबंधन किया जाता है। पार्षदों और वार्ड कमेटी सदस्यों ने प्लांट की कार्यप्रणाली की बारीकी से जानकारी प्राप्त की और कचरा निस्तारण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

पुलिस ने तीन नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने जिले क्षेत्र से तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चूरापोस्त, अफीम व हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार तस्करों की पहचान सिरसा निवासी रमेश कुमार, अरविंद व ऐलनाबाद निवासी रमेश के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि सीआईए ऐलनाबाद पुलिस नशा रोकथाम के लिए गांव बुढीमेडी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान गांव की तरफ से एक बाइक सवार आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू तलाशी ली तो उसके कब्जे से तीन किलो 518 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रमेश कुमार के रुप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना ऐलनाबाद में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसके अलावा पुलिस ने गांव गोरीवाला क्षेत्र से एक युवक को सात ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अरविंद के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम नशा तस्करी की रोकथाम को लेकर गांव गोरीवाला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर कार्रवाई की।

650 नशीली सीरप की बोतलें बरामद, डॉक्टर काबू

फतेहाबाद। नशीली दवाइयों की तस्करी के खिलाफ सीआईए टोहाना पुलिस ने सफलता हासिल की है। पुलिस ने भिवानी की अंबेडकर कॉलोनी निवासी विजय उर्फ डॉक्टर को 650 प्रतिबंधित नशीली कफ सीरप की शीशियों के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद की गई सीरप की बोतलों का कुल वजन 84 किलो 400 ग्राम आंका गया है। रविवार को सीआईए टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि विजय उर्फ डॉक्टर भारी मात्रा में नशीली कफ सीरप लेकर ललोदा-पिरथला रोड पर किसी ग्राहक की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जब संदिग्ध को दबोचा, तो उसके पास मौजूद दो ट्रॉली बैगों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैगों से शीशियां बरामद हुईं। पुलिस ने थाना सदर टोहाना में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

गर्मी की छुट्टियों के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने लिया फैसला

अब जम्मू-कटरा से मुंबई के लिए चलेगी समर स्पेशल ट्रेन, जाखल में भी होगा ठहराव

- मुंबई जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गर्मियों की छुट्टियों के दौरान बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे ने जम्मू-कटरा से मुंबई के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। इस विशेष ट्रेन का लाभ फतेहाबाद जिले के जाखल क्षेत्र के यात्रियों को भी मिलेगा, क्योंकि ट्रेन जाखल रेलवे स्टेशन से होकर गुजरेगी। इससे मुंबई जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी। रेलवे द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार ट्रेन संख्या 04694 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-दादर समर स्पेशल 7 और 14 जून को कटरा से रवाना होगी, जबकि 04693 दादर-कटरा समर स्पेशल 9 और 16 जून को दादर से चलेगी। दोनों ट्रेनें कुल दो-दो फेरे लगाएंगी।

फतेहाबाद। जाखल रेलवे स्टेशन।

जाखल स्टेशन पर रहेगा यह समय

- 04694 कटरा-दादर स्पेशल
- जाखल आगमन : शाम 4:05 बजे
- जाखल प्रस्थान : शाम 4:07 बजे (अनुमानित)
- 04693 दादर-कटरा स्पेशल

रींगस होकर पहुंचेगी मुंबई

वापसी यात्रा के दौरान भी ट्रेन जाखल स्टेशन से होकर गुजरेगी, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को दोनों दिशाओं में सुविधा मिलेगी। यह विशेष ट्रेन जम्मू-कटरा से चलकर जम्मू तवी, पठानकोट, जालंधर, लुधियाना, धुरी, जाखल, जींद, रोहतक, रेवाड़ी, रींगस, अजमेर, रतलाम, सूरत और बोरीवली होते हुए दादर पहुंचेगी। खाटू श्याम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह ट्रेन लाभदायक साबित होगी।

18 एलएचबी कोच लगाए

रेलवे अधिकारियों के अनुसार गर्मी के मौसम में जम्मू-कश्मीर और मुंबई रूट पर यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि हो जाती है। अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए इस विशेष ट्रेन में 18 एलएचबी कोच लगाए गए हैं, जिससे यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

क्षेत्र के यात्रियों को मिलेगा सीधा फायदा

जाखल, टोहाना और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों के लिए मुंबई जाने का यह एक बेहतर विकल्प माना जा रहा है। नियमित ट्रेनों में वेटिंग बढने के बीच समर स्पेशल ट्रेन से यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

PINNACLE MEDICAL CENTRE & RESEARCH INSTITUTE

(Proposed Medical College & Hospital)

9th Milestone, Kaithal Road, Barna, Kurukshetra (Haryana)

APPLICATIONS INVITED

Applications are invited from eligible and experienced candidates for the following positions in the Proposed Medical College & Hospital

LEADERSHIP POSITIONS

Director	Medical Superintendent	Administrator / COO

Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Tutor in the following departments:

PRE CLINICAL	PARA CLINICAL	
Anatomy	Pathology	Forensic Medicine
Physiology	Pharmacology	Community Medicine
Biochemistry	Microbiology	

Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Senior Resident / Junior Resident in Clinical Departments

General Medicine	Pediatrics	Otorhinolaryngology (ENT)
General Surgery	Ophthalmology	Anesthesiology
Orthopedics	Radiology	Psychiatry
Obstetrics and Gynaecology	Dermatology	Dentistry

ADMINISTRATION, NURSING & CLINICAL STAFF

Hospital Administrator (MHA)	Anesthesia Technician
Nursing Superintendent	Radiology / X-Ray Technician
Nursing Matron	Operation Theatre (OT) Technician
Hospital Manager	Medical Laboratory Technician (MLT)
Front Office Executive	Optometry Technician
TPA & Ayushman Executive	General Duty Assistant (GDA)
Billing Executive / Assistant	Ward Boy
Nursing Staff (GNM / B.Sc. Nursing)	Blood Bank Technician

IT SUPPORT & MAINTENANCE STAFF

IT Manager	Estate Officer	AC Technician
System Engineer	Hospital Supervisor	Electrician
Website Web Developer	Office Clerk	Plumber
Graphics Designer	Computer Operator	Carpenter
Computer Lab Technician	Security Guard (Male/Female)	Painter
Computer Hardware and Networking	Aaya / Housekeeping Staff (Male/Female)	Welder
ERP Coordinator / Lab Attendant	Bus Driver	Gardener (Mali)

Interested candidate may send their detailed CV along with relevant documents to : Email: hr@pmcri.in

Job Location : Kurukshetra (Haryana)

M : 9996783003 Website : www.pmcri.in

हरियाणवी पहनावा

हरियाणा का पारंपरिक पहनावा पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और पगड़ी, और महिलाओं के लिए घाघरा, चोली और चुंदड़ी है, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। हालांकि शहरी महिलाओं और पुरुषों में अब यह पहनावा कम ही देखने को मिलता है। युवाओं में तो आधुनिक वेशभूषा का ही क्रेज हैं। स्कूल व कॉलेजों के सांस्कृतिक समारोहों में जरूर यह पारंपरिक पहनावा देखने को मिल जाता है।

सांस्कृतिक संवाहक है हरियाणा की धरती

सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए।

महिमा

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित हरियाणा की पावन धरा केवल एक भौगोलिक भू-भाग मात्र नहीं है, बल्कि यह सनातन भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना की आदि-संस्थापक है। वैदिक ऋचाओं के प्रथम गुंजन से लेकर महाभारत के महासंग्राम तक और योगेश्वर श्रीकृष्ण की अमर वाणी 'श्रीमद्भगवद्गीता' से लेकर आधुनिक युग के नवनिर्माण तक, इस माटी ने देश के इतिहास को केवल गति ही नहीं दी, बल्कि उसकी दिशा और दशा को भी तय किया है।

भारतीय संस्कृति के आदि-स्रोत 'ऋग्वेद' की ऋचाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी भूमि पर साक्षात अवतरित हुआ था। वैदिक काल में 'ब्रह्मावर्त' और 'ब्रह्मर्षि देश' के नाम से पूजित यह क्षेत्र देव-निर्मित माना गया। मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के सत्रहवें श्लोक का यह उद्घोष इसी पावन धरा की महिमा गाता है, जो पवित्र नदी सरस्वती और दृशद्वती के मध्य स्थित थीः

स्रवन्ती यत्र चक्रतुर्देवता निर्मितं नदौ।
तद्देवनिर्मितं देशं ब्रह्मावर्तं प्रचक्षते॥

आज भू-गर्भीय परिवर्तनों के कारण सरस्वती नदी भले ही विलीन हो चुकी हो, परंतु प्राचीन काल में यह केवल जल की धारा नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म की अविरल वाहिका थी। इसी के तट पर बैठकर महर्षि वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत ग्रंथ की रूपरेखा तैयार की और पुराणों को कलमबद्ध किया। वहीं दृशद्वती के किनारों पर गूंजने वाले वैदिक यज्ञों के मंत्रों ने भारत की यज्ञ-संस्कृति और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता के भाव को सुदृढ़ किया। इस ऋषिकुल परंपरा को जब हम पुरातात्विक साक्ष्यों के तराजू पर तौलते हैं तो हिसार का राखीगढ़ी अपनी विशालता के साथ सामने आता है। सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए। वैदिक काल की यह ज्ञान-परंपरा जब उत्तर-वैदिक और महाकाव्य काल में प्रवेश करती है तो हरियाणा का 'कुरुक्षेत्र' पूरे आर्यावर्त का वैचारिक और आध्यात्मिक केंद्र बनकर उभरता है। महाभारत का युद्ध भूमि के एक टुकड़े के लिए लड़ा गया महज दो परिवारों का संघर्ष नहीं था, बल्कि वह न्याय और अन्याय, धर्म और अधर्म के बीच उपजा एक वैश्विक वैचारिक महामंथन था। इसी 'धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र' की ऐतिहासिक माटी पर ज्योतिसर नामक स्थान पर जब अर्जुन अपनों के मोह में फंसकर कर्तव्यविमुख होने लगे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जो पावन उपदेश दिया, वह 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में युगों-युगों के लिए अमर हो गया। महाभारत के वनपर्व के अंतर्गत कुरुक्षेत्र महात्म्य में इस भूमि की पावनता को याद करते हुए यहां तक कहा गया हैः

ततो गच्छेत राजेन्द्र कुरुक्षेत्रं समन्ततः।
पांसवोऽपि कुरुक्षेत्रे वायुना समुदाहृताः।
अपि दुष्कृतकर्माणं नयन्ति परमां गतिम्॥

अर्थात कुरुक्षेत्र की उड़ती हुई धूल भी यदि वायु के झोंके से किसी पापी को छू जाए तो उसे परम गति की ओर ले जाती है। आत्मा की अमरता का दर्शन व्यक्ति को काल के भय से मुक्त करता है, तो समत्व का भाव समाज में समरसता, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की मजबूत नींव रखता है। हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा को समझने के लिए यहाँ के सीधे-सरल रहन-सहन, खान-पान और अनूठी जीवन-शैली को देखना आवश्यक है। यह एक ऐसी संस्कृति है जो सादगी और पौरुष के मजबूत स्तंभों पर टिकी है। यहाँ का समाज मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन से जुड़ा रहा है, जिसका सीधा प्रभाव यहाँ की दिनचर्या पर दिखाई देता है। यहाँ की 'चौपाल' केवल एक बैठने की जगह नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण लोकतंत्र, न्याय और भाईचारे की एक जीवंत संस्था रही है, जहाँ बड़े-से-बड़े सामाजिक फैसले आपसी सहमति से सुलझा लिए जाते हैं। इसी सादगी और शुद्धता का प्रतिबिंब यहाँ के खान-पान में भी झलकता है। हरियाणा के इस सीधे-सरल, समृद्ध और सात्विक वातावरण को रेखांकित करते हुए कहा गया हैः

देशां में देश हरियाणा, जीत दूध-दही का खाणा।

यह पंक्ति यहां की केवल खान-पान की आदत को नहीं, बल्कि उस संपन्न और निश्छल ग्रामीण जीवन-दर्शन को दर्शाती है, जहाँ दूध, दही, छाछ, घर का निकाला हुआ मक्खन और चूल्हे की तपी हुई बाजरे या गेहूं की रोटियां मुख्य आहार हैं। 'खांड-बूरा' और 'लस्सी' से होने वाला अतिथि सत्कार यहाँ के लोगों के बड़े और उदार दिल का परिचय देता है। इस धरा की पारम्परिक वेशभूषा और आभूषण भी यहाँ की लोक-संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर हैं। पुरुषों का परिधान जहाँ उनकी मर्यादा और पौरुष का प्रतीक है, वहीं महिलाओं की वेशभूषा यहाँ के लोक-जीवन के चटकीले रंगों को समेटे हुए है। इस अनूठे रहन-सहन और पहनावे को जो तत्व सबसे अधिक जीवंत और मुखर बनाता है, वह है यहाँ की 'बोली'। हरियाणवी बोली को अक्सर लोग दूर से देखने पर खड़ी या कड़क मान लेते हैं, लेकिन इसके भीतर जो अपनापन, हाजिरजवाबी और निश्छल हास्य छुपा है, वह अद्भुत है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी निडरता और स्पष्टवादिता है। हरियाणवी जनमानस जो दिल में रखता है, वही जुबान पर लाता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि अपनी इसी जीवन-पद्धति, बोली, लोक-कलाओं और नैतिक मूल्यों के प्रति अगाध निष्ठा है। इस मोर्चे पर हरियाणा के लोक-साहित्य और 'सांग' व 'रागनी' परंपरा ने अद्भुत कार्य किया है। यहाँ के लोक-कलाकारों ने केवल मनोरंजन नहीं किया, बल्कि ग्रामीण अंचलों में समाज-सुधार, राष्ट्र-प्रेम और नैतिक चेतना की अलख जगाई। सांग परंपरा के सिरमौर दीपचंद बामण ने जहाँ प्रथम विश्वयुद्ध के संक्रमण काल में अपनी कला से युवाओं के भीतर राष्ट्र-रक्षा का जज्बा फूंका, वहीं हरियाणा के सूर्यकवि पंडित लखमीचंद ने वेदों, उपनिषदों और पुराणों के गूढ़ ज्ञान को अपनी सरल लोक-वाणी में ढालकर गाँव-गाँव के आम जनमानस तक पहुँचा दिया। उनकी रागनियों में बहने वाली गुरु-महिमा, सदाचार और अध्यात्म की रसधार ने समाज को बिखरने से बचाया। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अनेक मनीषियों ने अपनी सुरीली और गंभीर लेखनी से ग्रामीण अंचलों में सामाजिक समरसता, मानवीय मूल्यों और दार्शनिक चेतना को जीवित रखा। भौगोलिक रूप से भारत के उत्तर-पश्चिमी द्वार पर स्थित होने के कारण, हरियाणा को सदैव विदेशी आक्रांताओं के पहले प्रहार को झेलना पड़ा था। खैबर और बोलन दर्रों को पार कर दिल्ली की सल्तनत पर आँख गड़ाने वाले हर हमलावर का रास्ता हरियाणा के मैदानों से ही होकर गुजरता था। यही कारण है कि यहाँ का इतिहास निरंतर संघर्षों, शौर्य-गाथाओं और बलिदानों का गवाह रहा है। तराइन के मैदान में पृथ्वीराज चौहान का विदेशी आक्रमणकारियों से लोहा लेना हो या पानीपत की तीन ऐतिहासिक लड़ाइयाँ, इस माटी ने बार-बार भारत के भाग्य के फैसले होते देखे हैं। विशेषकर पानीपत के तीसरे युद्ध में, जब अहमद शाह अब्दाली के खिलाफ भारत की संप्रभुता को बचाने के लिए मराठे उत्तर भारत की ओर बढ़े तो हरियाणा के स्थानीय जनमानस ने रोटी और शरण देकर उनका साथ दिया। इसी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रखर रूप सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में देखने को मिला, जब अंबाला छावनी से उठी क्रांति की चिंगारी ने पूरे हरियाणा को अपनी चपेट में ले लिया। रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम, झज्जर के नवाब अब्दुल रहमान खान और बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह जैसे नायकों ने मजहब और जाति की दीवारें ढहाकर फिरंगियों के खिलाफ साझा मोर्चा खोला। नसीबपुर (नारनौल) के मैदान में हजारों हरियाणवी वीरों का अपनी माटी और देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर देना इस बात का अमिट प्रमाण है कि यह संस्कृति गुलामी की जंजीरों को कभी स्वीकार नहीं कर सकती। 1 नवंबर 1966 को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित होने के बाद हरियाणा ने प्रगति और परंपरा का एक ऐसा अनूठा समन्वय पेश किया है] जो पूरे देश के लिए मिसाल है। देश के कुल क्षेत्रफल का मात्र 1.3 प्रतिशत होने के बावजूद, हरियाणा आज देश के केंद्रीय अन्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। 'जय जवान, जय किसान' के नारे को पूरी तरह चरितार्थ करते हुए जहाँ इस राज्य का हर दूसरा परिवार देश की सीमाओं पर सजग प्रहरी बनकर खड़ा है, वहीं खेल के मैदानों में भी हरियाणा ने वैश्विक पटल पर भारत का मस्तक हमेशा ऊँचा किया है।

इस तीव्र गति वाले डिजिटल और वैश्विक युग में, जहाँ आधुनिकता की चकाचौंध में कई संस्कृतियाँ अपनी पहचान खो रही हैं, हरियाणा के सामने भी अपनी मूल भाषाई शुद्धता और लोक-परंपराओं को अक्षुण्य रखने की एक बड़ी चुनौती है। आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

रागिनी — सत्यवीर नाहड़िया

दूध-दही घी आळे चरचे

दूध-दही घी आळे चरचे, हरियाणा में खोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कदे उड़ै पंजाब घणा था,उड़ता इब हरियाणा।
गाम-गळी अर नगर-डगर म्हं,हुया नसे का छाणा।
पाउच-पुड़िया पीणा-खाणा,बीज बिघन के बोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू दास नसे के होग्ये।।

एक बखत का यो हरियाणा, था दूध-दही का प्याल्ला।
ब्या-ठिच्चे पै ल्हुक-छिप कोये, घेट करै था आल्ला।
नयी प्योध का न्यारा माल्ला,झूम नसे म्हं सोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा नास की जड़ हो सै न्यूँ म्हारे बड़े बतावैं।
नसे-जाळ म्हं जो रै फँस ज्यौं,सहज छूट ना पावैं।
कोय भूल कै ना फँस ज्यावैं,अंत टेम न्यूँ रोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा मिटावण खात्यर आओ,मिलकै अलख जगावां।
जाग्गां दिखे जगावां सभनै,अपणा देस बचावां।
कह 'नाहड़िया' फरज निभावां, क्यूँ इज्जत वो धोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कविता — राजपाल सिंह गुलिया

आच्छी नहीं लड़ाई

रोज-रोज थम लड़ो भिड़ो सौ ,याह तै आच्छी बात नहीं ,
बाताँ तैं ए बात बणैगी , बात याह वाहियात नहीं .

घणी कुभद आच्छी ना हो, फल देर सवेर मिल ज्यागा,
शेर बणया हाँडै एक दिन, तनै सवा सेर मिल ज्यागा.
प्रेम- प्यार का भाव इसा हो, देखै जो औकात नहीं.

तोड़ बात का हो बाताँ तैं , याह आच्छी नहीं लड़ाई ,
बैरा ना किस पै जाकै याह , उतरै किसकी करड़ाई .
आँधी हो सै गोळी लोगो, करती कती दुभात नहीं.

झोट्टे - झोट्टे लड़ैं उड़ै इन , झाड़ाँ का ए खो हो सै.
मारे जाँ सैं लोग सहम ये ,किस मुखिया का के हो सै.
समझदार हो माणस तै हरगिज , होता उत्पात नहीं.

देख लड़ाई म्हं देसाँ के, किसे सींग से फँसरे सैं,
माल मरे का चाह्वैं सारे , कती लोभ म्हँ धँसरे सैं.
हुए बिचौले 'गुलिया' वो भी ,जिनकी जात जमात नहीं.

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आचरण — खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे युवा

लोक संस्कृति में बढ़ता बाजारीकरण

मंथन

सरिता

हरियाणा की इस ऐतिहासिक धरती का इतिहास भी अपनी अनूठी संस्कृति की वजह से बहुत समृद्ध रहा है। यहाँ के खेतों की खुशबू, चौपालों की रौनक और हमारे बुजुर्ग कलाकारों की तान ने हमेशा पूरे समाज को आपस में जोड़कर रखा है। लेकिन आज के डिजिटल दौर में, जहाँ हर तरफ इंटरनेट और सोशल मीडिया का असर है, हरियाणा का यह ताना-बाना एक बड़े संकट से घिर गया है। जिस लोक संस्कृति का मकसद लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ समाज को अच्छी सीख देना था, आज वह बाजार के लालच और अश्लीलता की भेंट चढ़ती जा रही है।

यूट्यूब और इंस्टाग्राम रील्स पर व्यूज और लाइक्स पाने की इस होड़ ने हमारी संस्कृति की मूल भावना को बहुत ठेस पहुँचाई है। हरियाणा की लोक संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी थीं। यहाँ की सांग परंपरा केवल टाइमपास का साधन नहीं थी। यह खुली चौपालों में होने वाला एक ऐसा नाटक था जो लोगों को सच, ईमानदारी और त्याग का रास्ता दिखाता था। इसी तरह रागनियों से जीवन के गहरे सच और सामाजिकता से परिचय होता था। हमारे अपने वीरों के किस्से युवाओं में देशप्रेम और आपसी भाईचारे का जोश भरते थे और भजनों के जरिए समाज की बुराइयों पर चोट की जाती थी। जब से सबके हाथ में स्मार्टफोन और सस्ता इंटरनेट आया है, चीजें बहुत बदल गई हैं। इसने जानकारी तो सब तक पहुँचाई, लेकिन साथ ही हमारी संस्कृति में एक तरह का प्रदूषण भी फैला दिया है। यूट्यूब और रील्स के इस दौर ने लोक संस्कृति को रातों-रात बाजार में बिकने वाला सामान बना दिया है। आज कोई गाना या कला कितनी अच्छी है, यह इस बात से तय नहीं होता कि उसमें कितनी गहरी बात कही गई है, बल्कि इस बात से तय होता है कि वह कितनी जल्दी इंटरनेट पर वायरल हो सकती है। इस चक्कर में जो कलाकार सचमुच अच्छा और साफ-सुथरा काम करना चाहते हैं, उन्हें लोग भूलते जा रहे हैं, जबकि सनसनी फैलाने वाले या भड़काऊ चीजें परोसने वाले लोग रातों-रात स्टार बन रहे हैं। पैसे कमाने की इस अंधी दौड़ ने हमारी संस्कृति के असली चेहरे को बिगाड़ दिया है। आजकल के हरियाणवी गानों और वीडियो में अश्लीलता का बढ़ना सबसे चिंता की बात है। पारंपरिक सादगी को छोड़कर अब गानों में सिर्फ दिखावे और अंग-प्रदर्शन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दोहरे अर्थ वाले शब्द और भद्दे इशारों वाले ये गाने आज शादियों, पार्टियों और गाड़ियों में आम बजते सुनाई देते हैं। इससे धीरे-धीरे समाज में इस तरह की अश्लीलता को एक सामान्य बात माना जाने लगा है, जो कि बहुत खतरनाक है। इसके साथ ही गानों में बंदूकों, हथियारों और बदमाशी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का एक नया चलन शुरू हो गया है। आज के ज्यादातर मशहूर गानों में नायक को कानून तोड़ते, हथियार लहराते और लड़ाई-झगड़ा करते दिखाया जाता है। बदमाशी, रौब जमाना या जेल जाने को इस तरह पेश किया जाता है, जैसे यही असली नायक हो। यह बात सीधे तौर पर हमारी कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुँचाती है और कम उम्र के बच्चों के दिमाग पर बहुत बुरा असर डाल रही है। इससे युवाओं में गुस्सा और अपराध की भावना बढ़ रही है। एक और दुखद बात यह है कि हरियाणा का समाज हमेशा से 'छत्तीस बिरादरी' के भाईचारे के लिए जाना जाता था, जहाँ सांग देखने के लिए हर वर्ग के लोग एक साथ चौपाल पर बैठते थे। लेकिन आज के गानों और सोशल मीडिया ने इस आपसी भाईचारे को भी चोट पहुँचाई है। अब खास जातियों के नाम पर गाने बनाए जा रहे हैं, जिनमें खुद की जाति को सबसे ऊपर और दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश होती है। ऐसे गाने युवाओं के दिलों में एक-दूसरे के प्रति नफरत और दूरी पैदा कर रहे हैं। इन गानों के नीचे इंटरनेट पर लोग एक-दूसरे को गालियाँ देते नजर आते हैं, जो हमारे शांतिपूर्ण समाज के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। ये चीजें उन्हें नशे और गलत संगति की तरफ भी धकेल रही हैं। ऐसी चिंतनीय स्थिति में हमें मिलकर कुछ जमीनी और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। आज अपनी वास्तविक परम्पराओं को सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं के बीच रखना होगा ताकि नई पीढ़ी को पता चल सके कि हमारी असल संस्कृति क्या है। नफरत और अश्लीलता फैलाने वाले वीडियो पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में हमारे पुराने वाद्य यंत्रों को दोबारा जगह मिलनी चाहिए और साफ-सुथरी रागनी प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि बच्चे फोन पर क्या देख और सुन रहे हैं।

बदलाव और आधुनिकता से कोई परहेज नहीं होना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों को भूलकर तो आगे नहीं बढ़ा जा सकता। हमें अपने बच्चों को दोबारा चौपाल की संस्कृति और बुजुर्गों की सीख से जोड़ना होगा। अगर आज हमने बाजार की चकाचौंध में अपनी इस विरासत को खो दिया, तो हम अपनी पहचान खो देंगे।

हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।

अभिनय क्षेत्र में निष्ठा व समर्पण के साथ करें कार्य : राम नारायण

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

संघर्षों की आग में तपकर ही कलाकार अपनी वास्तविक पहचान बनाता है। हरियाणा की सांस्कृतिक धरती से निकलकर रंगमंच, फिल्मों और वेब सीरीज़ तक का सफर तय करने वाले राम नारायण ऐसे ही कलाकार हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी प्रतिभा और समर्पण के बल पर अभिनय जगत में एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

उनका जीवन संघर्ष, कला और निरंतर सीख की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करता है। रंगमंच से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले राम नारायण ने समय के साथ फिल्म और डिजिटल माध्यमों में भी अपनी सशक्त पहचान स्थापित की। उन्होंने दूरदर्शन के लिए प्रौढ़ शिक्षा पर आधारित एक फिल्म तथा इग्नू के नर्सिंग कोर्स पर डॉक्यूमेंट्री में काम किया। उन्होंने राजू पंजाबी के लोकप्रिय गीत 'हरियाणा तो बदल गया' के साथ-साथ 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित), काण्ड 2010, बवाल, कोहरा-2 और वादा जैसी परियोजनाओं में अपने प्रभावशाली अभिनय का प्रदर्शन किया है। उनके अभिनय की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है और उनकी आगामी फिल्मों मोमाकु तथा कांडी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हिसार शहर में जन्मे राम नारायण चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। परिवार के आर्थिक हालात इनके अनुकूल न रहे। यही कारण है कि रंगमंच को करियर बनाने पर उन्हें परिवार का अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, फिर भी उन्होंने संघर्षों और अभावों के बीच अपने अभिनय सफर को जारी रखा। कई बार उन्हें यह कहकर बिना पारिश्रमिक काम कराया गया कि बजट नहीं है, जबकि अन्य लोगों को भुगतान किया जाता था। इस अनुभव ने उन्हें सिखाया कि कलाकार को अपनी मेहनत और कला का सम्मान करते हुए अपने काम का उचित मूल्य अवश्य लेना चाहिए। अपने थियेटर के प्रति गहरे जुड़ाव के संदर्भ में राम नारायण बताते हैं कि कक्षा 3 में उन्हें पहली बार मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर मिला और कक्षा 6 से 10 तक वे संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहे। कॉलेज के दौरान रंगमंच के प्रति उनकी रुचि और बढ़ी तथा बी.ए. के दूसरे वर्ष से उन्होंने निर्देशन और नाट्य गतिविधियों की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू कर दीं। बाद में उन्होंने छह वर्षों तक संस्कृत नाटकों का निर्देशन किया और विभिन्न विश्वविद्यालयों के युवा महोत्सवों में नाटिका, माइम एवं स्किट प्रस्तुत कर अपनी अलग पहचान बनाई। राम नारायण ने स्टेज ऐप की 'कांड 2010' तथा और सुपवा के साथ 'चूल्हा न्यौंद' में काम किया है। मुंबई में कांड 2010 वेब सीरीज़ के लिए अवार्ड मिलने पर राम नारायण बताते हैं कि जब 'काण्ड 2010' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर) का पुरस्कार मिलने की सूचना मिली, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत खुशी का था। इसके अलावा इन्हें 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित) के लिए अमेरिका के एक फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि आपके अभिनय जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। कांड 2010 वेबसीरीज़ में अपने किरदार और अनुभव के बारे में राम नारायण बताते हैं कि वर्ष 2010 में निर्देशक राजेश बब्बर द्वारा काण्ड में जगदीश के चरित्र के लिए चुना जाना उनके लिए बेहद भावुक और यादगार क्षण था। हालांकि वे पहले भी कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभा चुके थे, लेकिन जगदीश का चरित्र अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि और गहरी मनोवैज्ञानिक जटिलताओं के कारण उनके लिए विशेष रहा। कैमरे के सामने और रंगमच पर अभिनय की दृष्टि से वह बड़ा अंतर मानते हैं। उनके अनुसार कैमरे के सामने काम करने का एक लाभ यह है कि आपको दृश्य दोबारा करने का अवसर मिल जाता है, लेकिन रंगमंच में ऐसा नहीं होता। यदि कोई त्रुटि रह जाए, तो उसे अगले शो में ही सुधारा जा सकता है, और अगला शो कब मिलेगा, यह निश्चित नहीं होता। हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाएं तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यशपाल शर्मा ने दादा लखमी फिल्म बनाकर इसी विचार को आगे बढ़ाकर सफलतापूर्वक साकार किया। उभरते नए युवा कलाकारों के लिए राम नारायण संदेश देते हैं कि आपने इस क्षेत्र को चुना है, तो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। समय की पाबंदी रखें। जो देर से आए, उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसने एक अवसर खो दिया है।

हरियाणा में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाएं तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

खबर संक्षेप

किसान हित के लिए सीएम की घोषणाएं स्वागत योग्यः डा. केहरवाला

सिरसा। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा की गई ऐतिहासिक घोषणाओं को भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला प्रवक्ता डा. गंगा सागर केहरवाला ने स्वागत योग्य कदम बताया है। जारी बयान में केहरवाला ने कहा कि हरियाणा के किसानों को सरकार ने बड़ी राहत देते हुए सूरजमुखी की खेती करने वाले किसानों के लिए 60 दिनों के लिए दोबारा पोर्टल खोलने की घोषणा की है। इस घोषणा के तहत किसान 60 दिनों के लिए किसान अपना पंजीकरण करवा सकेंगे।

लोक अदालत प्रणाली पर किया जाएगा जागरूक

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा स्थायी लोक अदालतों (परमानेंट लोक अदालत) की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता के संबंध में व्यापक जागरूकता एवं जनसंपर्क गतिविधियां चलाई जाएंगी। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बगोतिया ने बताया कि स्थायी लोक अदालतों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत शैक्षणिक परिसरों व ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

चोरीशुदा बाइक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस आईडीएफसी बैंक से मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को चंद घंटों में सुलझाते हुए आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 6 जून को बाइक चोरी की शिकायत प्राप्त हुई थी। पुलिस ने आईडीएफसी बैंक में कार्यरत कर्मचारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही प्रबंधक थाना शहर डबवाली देवीलाल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज और अन्य महत्वपूर्ण सुराग जुटाए। दो आरोपियों गुरदेव व गुरदीप को काबू कर बाइक भी बरामद कर लिया।

सीआईए की रेड में डोडा पोस्त सहित आरोपी काबू

फतेहाबाद। सीआईए टीम आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 7 किलोग्राम चूरा डोडा पोस्त बरामद किया है। सीआईए रतिया प्रभारी उप-निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि देशराज उर्फ देशु नशीले पदार्थ के साथ खड़ा है और कहीं जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा है। सूचना के आधार पर जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां प्लास्टिक का कट्टा लिए खड़ा देशराज पुलिस की गाड़ी देखकर भागने लगा। पुलिस कर्मचारियों उसे मौके पर ही दबोच लिया।

पुलिस ने नशा पीड़ितों को किया जागरूक

ओढां। डबवाली पुलिस द्वारा नशा मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से व्यापक जन जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी अनिल सोढ़ी ने गांव ओढ़ा में ग्राम पंचायत सदस्यों व सामाजिक लोगों को साथ लेकर नशे से पीडित युवाओं, ग्रामीणों एवं गणमान्य व्यक्तियों से घर घर जाकर संवाद स्थापित किया तथा उन्हें नशे के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान ओढ़ा पुलिस ने बताया कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है।

बिजली उपकरण चोरी का आरोपी गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने गांव सकता खेड़ा में बंद पड़े घर में घुसकर बिजली के उपकरण व अन्य घरेलू सामान चोरी करने की वारदात में फरार चल रहे दूसरे आरोपी मनप्रीत सिंह को चोरीशुदा सामान सहित काबू कर लिया है। पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपने परिवार सहित काफी दिन से बाहर गई हुई थी। उस दौरान अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसके घर में घुसकर बिजली के उपकरण व अन्य घरेलू सामान चोरी कर लिया गया।

जल जीवन मिशन के तहत जेई व एसडीओ कर रहे निगरानी

शहर में पेयजल की बर्बादी पर एक्शन दुरुपयोग रोकने को फील्ड में उतारी टीमें

विभागीय टीम ने अभियान के दौरान काटे 643 कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिले में पीने के पानी की बर्बादी करने वालों के खिलाफ पब्लिक हेल्थ विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। विभाग की टीम उन लोगों पर अब सख्त कार्रवाई करेगी, जो घरेलू पेयजल कनेक्शन का उपयोग सब्जियां उगाने, खेतों की सिंचाई करने या व्यावसायिक गतिविधियों जैसे सर्विस स्टेशन चलाने में कर रहे हैं। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जल जीवन मिशन के तहत जिले में लगभग सभी घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। अब विभाग का फोकस यह सुनिश्चित करने पर है कि पेयजल का उपयोग केवल घरेलू जरूरतों के लिए ही हो और इसकी अनावश्यक बर्बादी न हो। इसके लिए जल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन की टीमें मैदान में उतार दी गई है। इस टीम के साथ पब्लिक हेल्थ विभाग के जेई से लेकर एसडीओ तक निगरानी कर रहे हैं।

फतेहाबाद। पानी के अवैध कनेक्शन काटने पहुंची टीम।

अब तक जिले में काटे 643 कनेक्शन

जल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन के जिला सलाहकार शर्मचंद लाली ने बताया कि गांवों में सक्रियता से अभियान चला रहे हैं। अब तक जिले में 643 को नोटिस देकर कनेक्शन काटे जा चुके हैं। पीने का पानी का अन्य गतिविधियों में दुरुपयोग रोकना ही मुख्य मकसद है। लोगों को भी पानी का महत्व समझना होगा। इसको व्यर्थ गंवाना ठीक नहीं है। हमारी टीमें लगातार विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर रही है। जांच के दौरान जहां भी पेयजल कनेक्शन का दुरुपयोग पाया जा रहा है, वहां तत्काल कार्रवाई करते हुए कनेक्शन काटे जा रहे हैं। लोग पेयजल का उपयोग जिम्मेदारी से करें और इसे व्यावसायिक या कृषि कार्यों में इस्तेमाल न करें।

गर्मी बढ़ने के साथ पानी की मांग भी

अधिकारियों का कहना है कि गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में कुछ लोगों द्वारा पेयजल की बर्बादी से अन्य उपभोक्ताओं को परेशानी हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिले में किस तरह के कनेक्शन कटे

सर्विस स्टेशन	39
फैक्ट्री	26
हरा चारा–सब्जी के लिए लगे कनेक्शन	268
खाली प्लाट/बंद मकान	126
असुरक्षित (गंदी नालियों में)	96
जिनका कोई मालिक नहीं	88

योग से खिलाड़ियों में एकाग्रता और लचीलापन में होती है वृद्धि : कोच

नियमित योग शिविर में अनेक खिलाड़ियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चोपटा

गांव जोधकां में नियमित योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में गांव के कबड्डी और कुश्ती खिलाड़ी प्रतिदिन भाग ले रहे हैं। योग शिविर का संचालन कुश्ती कोच पूनम गोस्वामी एवं कबड्डी कोच रितु जाँगू द्वारा करवाया जा रहा है। दोनों कोच प्रतिदिन सुबह खिलाडियों को योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करवा रही हैं। कोचों का कहना है कि नियमित योग से खिलाड़ियों की एकाग्रता, लचीलापन और स्टैमिना में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जो खेल में बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सदस्य सोनिया कंबोज एवं लक्ष्मी भी समय-समय पर उपस्थित रहती हैं। उन्होंने खिलाडय़ों को अनुशासन और नियमितता के साथ योग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिक राकेश पहलवान, मोहित तथा अंग्रेज कंबोज सहित अन्य ग्रामीण भी मौजूद रहे।

मोटरसाइकिल चोर दबोचा, बाइक बरामद

सिरसा। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर चोरीशुदा बाइक बरामद करने में सफलता हासिल की है। शहर थाना प्रभारी ने बताया कि पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी योगेश ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह बीती 8 मई को नोरिया बाजार स्थित हिमानी क्लीनिक के बाहर अपनी बाइक खड़ी कर अंदर गया था। कुछ समय बाद बाहर लौटने पर उसकी बाइक वहां से गायब मिली। अज्ञात व्यक्ति द्वारा बाइक चोरी किए जाने पर शहर थाना सिरसा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने आरोपी राजेंद्र को सिरसा जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया।

राधा कृष्ण मन्दिर में श्रीमद् भागवत कथा आज से शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

श्री पुरुषोत्तम मास (लौंद) के पावन उपलक्ष्य में फतेहाबाद की भीमा बस्ती स्थित प्राचीन श्री राधा कृष्ण मन्दिर में 8 से 15 जून तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर शहर के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। मन्दिर के पुजारी कन्हैया लाल शास्त्री ने बताया कि इस सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में कथा व्यास पंडित दीपक शर्मा अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करवाएंगे। कथा का

15 को वितरित होगी अटूट लंगर प्रसादी

आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3:15 बजे से शुरू होकर सायं 7:30 बजे तक किया जाएगा। इस कार्यक्रम के आयोजक समस्त श्रीकृष्ण चरण अनुरागी एवं फतेहाबाद के नगरवासी हैं। कथा का विधिवत समापन 15 जून सोमवती अमावस्या को होगा। समापन के पावन अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सुबह .8 बजे विशाल हवन होगा तथा दोपहर एक बजे अटूट लंगर प्रसादी वितरित होगी।

ऑटो-पे और सब्सक्रिप्शन फ्रॉड से सतर्क रहें आमजन : एसपी

- अनजान ऐप्स पर ऑटो-डेबिट की अनुमति न देना ही बचाव : एसपी निकिता खट्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस ने ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल लेनदेन करने वाले नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। एसपी निकिता खट्टर ने आमजन से अपील की है कि वे मोबाइल ऐप्स, वेबसाइट्स और ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते समय ऑटो-पे और ऑटो-डेबिट की सुविधा को लेकर विशेष सावधानी बरतें। एसपी ने बताया कि हाल ही में साइबर ठगी के कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें ठग फर्जी ऐप्स या वेबसाइट्स के जरिए लोगों को लुभावने सब्सक्रिप्शन का लालच देते हैं। इसके बाद, यूजर अनजाने में ओटीपी दर्ज कर देते हैं। ऐसा करते ही ठगों को खाते से पैसे काटने की अनुमति मिल जाती है और हर महीने या तय समय पर उपभोक्ता की जानकारी के बिना बैंक खाते से पैसे कटते रहते हैं।

अनजान व्यक्ति से साझा न करें ओटीपी

सुरक्षा के लिए एसपी ने सलाह देते हुए कहा कि नागरिक समय-समय पर अपने यूपीआई ऐप्स और नेट बैंकिंग में जाकर एक्टिव ऑटो पे मैंडेट को चेक करें और संदिग्ध मैंडेट को तुरंत ब्लॉक करें। अपना ओटीपी, बैंक विवरण या यूपीआई पिन कभी भी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। केवल आधिकारिक और विश्वसनीय प्लेटफॉर्म पर ही ऑटो-पे की सुविधा ऑन करें। एसपी ने कहा कि यदि किसी के खाते से बिना जानकारी के पैसे कट रहे हैं, तो तुरंत बैंक को सूचित कर मैंडेट रद्द करवाएं। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

क्रीड कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल आज

जिला मुख्यालयों व ब्लॉक स्तर पर पीपीपी परियोजना के तहत 400 कर्मचारी कार्यरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

नागरिक संसाधन सूचना विभाग के अंतर्गत परिवार पहचान पत्र परियोजना में कार्यरत कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों के समाधान के लिए 8 जून को राज्यव्यापी हड़ताल एवं प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इस दौरान प्रदेशभर में परिवार पहचान पत्र से संबंधित विभिन्न सेवाएं, सत्यापन कार्य, शिकायत निवारण, डेटा प्रबंधन तथा अन्य पीपीपी गतिविधियां प्रभावित रहेंगी। हड़ताल को लेकर कर्मचारियों ने एडीसी सिरसा को एक मांग पत्र भी सौंपा। सिरसा ब्लॉक से जिला मैनेजर रविंद्र कुमार व मनोज कुमार ने बताया कि वर्तमान में परिवार पहचान पत्र परियोजना के अंतर्गत

सिरसा। एडीसी सिरसा को मांग पत्र सौंपते हुए।

लगभग 400 कर्मचारी प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यरत हैं। इनमें मुख्य रूप से पीपीपी जिला प्रबंधक, ब्लॉक प्रबंधक, प्रोग्रामर, अकाउंटेंट एवं अन्य फील्ड कर्मचारी शामिल हैं। सिरसा में 12 जोनल मैनेजर, एक जिला मैनेजर, 2 एफसीपी व एक अकाउंटेंट स्टाफ कार्यरत है। ये कर्मचारी परिवार पहचान पत्र, आय सत्यापन, लाभ सत्यापन, नागरिक शिकायतों के निस्तारण, डेटा प्रबंधन, सर्वेक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कर्मचारी प्रतिनिधियों के अनुसार लंबे समय से उनकी कई महत्वपूर्ण मांगें लंबित हैं। इन मांगों को लेकर पूर्व में विभागीय अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया जा चुका है।

समाधान होना आवश्यक

उन्होंने बताया कि प्रदेशभर के सभी क्रीड/पीपीपी कर्मचारी सोमवार को परिवार पहचान पत्र राज्य मुख्यालय पंचकूला में एकत्रित होकर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करेंगे। उनकी मांगें केवल कर्मचारियों के हित तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विभाग की कार्यक्षमता, सेवा गुणवत्ता तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने से भी सीधे जुड़ी हुई हैं। लंबे समय से विभाग की योजनाओं को सफल बनाने में योगदान देने वाले कर्मचारियों की जायज मांगों का समाधान किया जाना आवश्यक है।

नशा मुक्ति शिविर में 36 पीड़ितों को मिला उपचार

नशा पीड़ितों को उपचार के लिए आगे लाएं आमजन : एसआई सुंदर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

नशा तस्करी पर लगाम लगाने के साथ-साथ पुलिस अब नशा पीड़ितों को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए भी काम कर रही है। ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा गांव जमालपुर शेखा स्थित भागीरथ ओड धर्मशाला में नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर नशा मुक्ति टीम के प्रभारी उप-निरीक्षक सुंदर के नेतृत्व में स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग के समन्वय से लगाया गया। शिविर के दौरान गांव जमालपुर शेखा के 26 नव-चिन्हित नशा पीड़ितों और आसपास के गांवों के 10 उपचाराधीन मरीजों सहित कुल 36 लोगों ने अपनी जांच करवाई। स्वास्थ्य विभाग से पहुंचे डॉ. दीप और उनकी टीम ने पीड़ितों के खून की जांच कर उनकी काउंसलिंग की और आवश्यक एलोपैथिक दवाइयां दीं। वहीं, आयुष विभाग की डॉ. स्वाति की टीम ने आयुर्वेदिक पद्धतियों से नशा छोड़ने के उपाय बताए और दवाइयां वितरित की।

फतेहाबाद। नशामुक्ति शिविर में ग्रामीणों को जागरूक करती टीम।

नशा बर्बादी का माध्यम

नशा मुक्ति टीम के प्रभारी एसआई सुंदर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अपने आस-पास के नशा पीड़ितों को छुपाने की बजाय उपचार के लिए आगे लाएं ताकि समय पर उनकी मदद की जा सके।

भूना में युवक का अपहरण कर पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में दो और युवक काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

थाना भूना पुलिस ने क्षेत्र के चर्चित सचिन हत्याकांड में कार्रवाई करते हुए दो और युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान भूना निवासी प्रवीण उर्फ पिन्नी और सूरजा राम उर्फ सूरजभान के रूप में हुई है। इस सनसनीखेज वारदात में पुलिस अब तक कुल सात आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है। भूना थाना प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र ने बताया कि वार्ड नंबर 5 निवासी कृष्ण कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका भतीजा सचिन अपने दोस्तों पवन और रोहित के साथ बाइक पर घर आ रहा था। इसी दौरान कई बाइकों पर सवार होकर आए हमलावरों ने उनका पीछा किया और सचिन का अपहरण कर उसे सुनसान जगह ले गए। वहां आरोपियों ने सचिन के साथ बेरहमी से मारपीट की। गंभीर रूप से घायल सचिन को पहले नागरिक अस्पताल भूना ले जाया गया, जहां से नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हिसार रेफर कर दिया, लेकिन हिसार ले जाते समय रास्ते में ही सचिन की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार छापेमारी की जा रही है।

मर्डर केस में गिरफ्तार दोनों युवक।

टोहाना में 5900 नशीले कैप्सूल मिले, आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

नशीली गोलियों और कैप्सूल की तस्करी करने वाले अंतर-जिला गिरोहों पर नकेल कसते हुए सीआईए टोहाना पुलिस ने प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल की एक बड़ी खेप पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने रोहतक के महम निवासी साहिल को 5,900 नशीले ट्रामाडोल कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। सीआईए टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि रोहतक का एक युवक भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाइयां लेकर टोहाना के नए बस स्टैंड के पास लोहा नहर पुल पर खड़ा है। पुलिस ने तुरंत नाकेबंदी कर संदिग्ध साहिल को काबू किया। जब उसके पास मौजूद प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी ली गई, तो उसमें से ट्रामाडोल कैप्सूल के 590 पत्ते में कुल 5,900 कैप्सूल बरामद हुए। बरामद किए गए कैप्सूल एनडीपीएस एक्ट के तहत पूरी तरह प्रतिबंधित श्रेणी में आते हैं और यह भारी मात्रा का मामला है। थाना शहर टोहाना में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है।

महाराजा अरुट जी महाराज की जयंती श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई

महापुरुषों के आदर्शों से विकसित होगा देश : बराला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

अरोड़वंश समाज के संस्थापक एवं महान समाज सुधारक महाराजा अरुट महाराज की जयंती टोहाना के शगुन पैलेस में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि तथा हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अरुट जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि महाराजा अरुट जी केवल एक वंश के संस्थापक नहीं थे, बल्कि मानवता, सामाजिक न्याय और संगठन के प्रतीक थे। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से एक ऐसे समाज की स्थापना की। सांसद बराला ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रेरणा उन परिवारों के संघर्ष से मिलती है, जिन्होंने विभाजन की त्रासदी झेलने के बावजूद अपने साहस, परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर नई पहचान स्थापित की।

फतेहाबाद। कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथिगण।

पंजाबी समाज का इतिहास त्याग की अमर गाथा

विधानसभा डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा ने कहा कि पंजाबी समाज का इतिहास वीरता, राष्ट्रभक्ति, त्याग और बलिदान की अमर गाथा है। जब-जब देश, धर्म और मानवता पर संकट आया, तब-तब पंजाबी समाज ने अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के अतुलनीय बलिदानों का स्मरण करते हुए कहा कि ऐसे महान त्यागों ने भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा में अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा महापुरुषों की जयंती और स्मृति दिवस मनाने की जो परंपरा शुरू की गई थी, उसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ा रहे हैं।

खबर संक्षेप

ओढ़ां श्मशान घाट में चलाया स्वच्छता अभियान

ओढां। हनुमान सेवा समिति द्वारा सामाजिक सेवा एवं स्वच्छता जागरूकता के उद्देश्य से ओढ़ां श्मशान घाट में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में समिति के सदस्यों, गणमान्य व्यक्तियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर श्रमदान किया तथा श्मशान घाट परिसर की साफ-सफाई की। अभियान में अशोक वर्मा, सुखमंदर सिहाग, शगंनजीत गिल, बलवीर सिंह गिल, सुखपाल सिंह नंबरदार, गोबिन्द बग्गा नंबरदार, रंजीत सिंह कुंडर, रामकुमार गोदारा, महावीर गोदारा सहित अनेक समाजसेवियों ने सेवाएं दी।

पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा सट्टेबाज

फतेहाबाद। सट्टेबाजी और जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने रेलवे पुल के नीचे सट्टा खाईवाली कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान कल्याण नगर, मनियाणा रोड, टोहाना निवासी बलदेव के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से सट्टा पर्चियां और 4,450 रुपये की नकदी बरामद की है। शहर थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि रेलवे पुल के नीचे गौशाला के सामने सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली का खेल चल रहा है।

मत्स्य पालकों को ₹90,000 प्रति हेक्टेयर का अनुदान

सिरसा। हरियाणा सरकार द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने तथा अनुसूचित जाति वर्ग के परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से अनुदान योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को परियोजना लागत का 60 प्रतिशत अथवा 90 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान के रूप में प्रदान किया जाएगा। अधिकतम चार हेक्टेयर क्षेत्र तक यह सहायता उपलब्ध होगी। यह योजना स्वयं की भूमि, पंचायत तालाब अथवा सरकारी जलाशयों पर किए जाने वाले मत्स्य पालन पर लागू होगी।

नौकरी, सिलाई मशीन दिलाने के नाम पर ठगी

सिरसा। सिलाई मशीन और नौकरी दिलाने का झांसा देकर रुपये हड़पने तथा पैसे वापस मांगने पर गाली-गलौज करने के आरोप में थाना शहर डबवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। डबवाली निवासी सुमनदीप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि परिचित जगसीर सिंह उर्फ जग्गा सिंह ने उसकी मुलाकात प्रवीण नामक महिला से करवाई थी।

3.08 लाख की ठगी के मामले में युवक पकड़ा

फतेहाबाद। ऑनलाइन टास्क और फाइव-स्टार रेटिंग के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ साइबर क्राइम थाना फतेहाबाद पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपी बाबू लाल सेपट निवासी मोहान का बास, जिला जयपुर, को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस कुल 6 आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा चुकी है। थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि भोडिया खेड़ा निवासी विजय ने शिकायत दर्ज कराई थी।

अब चलेंगी हीट वेव, मौसम विभाग ने जारी किया तीन दिन का येलो अलर्ट, 24 घंटे में दिन का पारा 2.3 डिग्री चढ़ा

अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री पहुंचा, आज से बढ़ेगी गर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पिछले दिनों से पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जिलावासियों को मिली राहत अब समाप्त होती नजर आ रही है। मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है और आने वाले दिनों में लोगों को भीषण गर्मी व हीट वेव का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने स्थिति को देखते हुए 8 से 10 जून तक के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार इस अवधि के दौरान प्रदेश के अधिकांश मैदानी क्षेत्रों में तेज गर्म हवाएं चलने और तापमान में लगातार बढ़ोतरी होने की संभावना है। फतेहाबाद में पिछले 24 घंटों के दौरान दिन के तापमान में 2.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। रविवार को जिले का अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा, लेकिन तापमान में आई अचानक बढ़ोतरी ने आने वाले दिनों में गर्मी के और तीखे होने के संकेत दे दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों के दौरान दिन के समय तेज धूप के साथ गर्म हवाएं चल सकती हैं। दोपहर के समय बाहर निकलने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक लू का प्रभाव सबसे अधिक रहेगा।

सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक लू का सबसे अधिक प्रभाव देखने को मिलेगा

12 जून को बदलाव की संभावना

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि प्रदेश में फिलहाल मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। 10 जून को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, लेकिन उससे पहले 8 से 11 जून के दौरान हरियाणा में तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। इस दौरान कई क्षेत्रों में हीट वेव की स्थिति बनने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 12 जून के आसपास एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसके प्रभाव से मौसम में दोबारा बदलाव देखने को मिल सकता है। वहीं 10 जून की शाम के समय कुछ स्थानों पर स्थानीय स्तर पर हल्के बदलाव के संकेत भी हैं, लेकिन तब तक लोगों को तेज गर्मी और उमस का सामना करना पड़ेगा।

एक नजर में जानें मौसम का हाल

- 8 से 10 जून तक मौसम विभाग का येलो अलर्ट
- 24 घंटे में तापमान में 2.3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी
- रविवार को अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज
- 8 से 11 जून तक गर्मी और लू का असर बढ़ने की संभावना
- 12 जून के बाद पश्चिमी विक्षोभ से मौसम बदलने के संकेत
- दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे तक विशेष सावधानी बरतने की सलाह

विशेषज्ञ बोले-

आने वाले चार दिनों में तापमान में लगातार वृद्धि होगी। लोगों को हीट वेव से बचाव के उपाय अपनाने चाहिए।

- डॉ. चंद्रमोहन, मौसम विशेषज्ञ

स्वास्थ्य विभाग की सलाह, लू से बचाव के लिए रखें सावधानी

विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने और धूप में निकलते समय सिर को ढककर रखने की सलाह दी है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने के लिए कहा गया है।

सच्ची मित्रता में अमीरी-गरीबी का भेद नहीं होना चाहिए: राधिका

सिरसा। सोनी धर्मशाला में आयोजित संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के 7वें दिन कथावाचिका डॉ. राधिका दीदी ने सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि यह कथा हमें सिखाती है कि सच्ची मित्रता में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होना चाहिए। श्री कृष्ण और सुदामा ने संदीपनि ऋषि के आश्रम में साथ शिक्षा ग्रहण की थी। बाद में, कृष्ण द्वारका के राजा बन गए, जबकि सुदामा अत्यंत गरीब हो गए और एक साधारण ब्राह्मण के रूप में अपना जीवन व्यतीत करने लगे। सुदामा की पत्नी के आग्रह पर, सुदामा अपने गरीब परिवार की मदद की उम्मीद में खाली हाथ कृष्ण से मिलने द्वारका पहुंचे।

किसान और स्थानीय नेताओं ने पुलिस के खिलाफ जताया विरोध

ट्रैक्टर का चालान काटने पर हंगामा फतेहाबाद रोड एक घंटा किया जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

शहर में ट्रैफिक पुलिस द्वारा पिछले कई दिनों से चलाए जा रहे चालान अभियान के विरोध में रविवार को जमकर हंगामा हुआ। फतेहाबाद रोड पर बोला पंप के पास ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक किसान के ट्रैक्टर का चालान काटे जाने पर विवाद इस कदर बढ़ा कि आक्रोशित लोगों ने सडक़ पर जाम लगा दिया। लगभग एक घंटे तक चले इस चक्का जाम के कारण सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस फतेहाबाद रोड पर नाकेबंदी कर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने रायपुर निवासी एक किसान के ट्रैक्टर को रोककर उसका चालान काट दिया। चालान काटे जाने को लेकर किसान और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के बीच बहस शुरू हो गई। विवाद की सूचना मिलते ही किसान नेता राजविंद्र चहल, मजदूर नेता व पार्षद गुरप्रीत सिंह गोपी सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौके पर पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और फतेहाबाद रोड को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

रतिया। चालान काटने के विरोध में रोड जाम करते लोग। *फोटो: हरिभूमि*

उचित कार्रवाई का दिलाया भरोसा

इन लोगों ने कहा कि पुलिस पिछले कई दिनों से अपना चालान का टारगेट पूरा करने के चक्कर में शहर के बीचों-बीच आम जनता को परेशान कर रही है। कई बार पूरे दस्तावेज होने के बावजूद बेवजह चालान काट दिए जाते हैं। एक गरीब और मजदूर व्यक्ति बड़ी मुश्किल से वाहन खरीद पाता है, लेकिन पुलिस हजारों रुपये का चालान काटकर उनकी कमर तोड़ रही है। प्रदर्शनकारियों ने मांग रखी कि जब तक पुलिस बेवजह चालान न काटने का आश्वासन नहीं देती और आज काटे गए चालान रद्द नहीं करती, तब तक जाम नहीं खोला जाएगा। सडक़ जाम होने की सूचना मिलते ही रतिया सदर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और उनकी शिकायतें सुनीं। थाना प्रभारी द्वारा उचित कार्रवाई का भरोसा दिए जाने और समझाने-बुझाने के बाद लोग शांत हुए और करीब एक घंटे बाद जाम खोला गया, जिसके बाद यातायात व्यवस्था सुचारू हो सकी।

रतिया। शहर में से गुजर रहा ट्राले पर रखा हुआ रेल का डिब्बा।

ट्राले पर रखे हुए रेल के डिब्बे के रतिया शहर में गुजरने से काफी देर तक रही जाम की स्थिति

रतिया। एक ट्राले पर रखे हुए रेल के डिब्बे के रतिया शहर से गुजरने के कारण आज रतिया शहर में संजय गांधी चौक पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। हालांकि रेल के डिब्बे के रतिया शहर से गुजरने के कारण शहर में कौतूहल का विषय भी बना रहा और सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर वायरल भी किए गए पर। जानकारी के अनुसार एक ट्राले पर रखा हुआ रेल का डिब्बा आज रतिया शहर में से गुजर रहा था। जैसे ही वह टोहाना रोड से बुढलाड़ा रोड की तरफ मुडने लगा तो संजय गांधी चौक पर रेल के डिब्बे की लंबाई ज्यादा होने के कारण मुडने में दिक्कत आने लगी, जिस कारण काफी देर तक डिब्बे के पीछे जाम लगा रहा। बाद में चालक द्वारा डिब्बे को फतेहाबाद रोड की तरफ ले जाया गया और वहां से आगे खुले स्थान से मोड कर बुढलाड़ा रोड की तरफ रवाना किया गया। बताया गया है कि ट्राले पर रखा हुआ यह रेल का डिब्बा किसी दूसरे राज्य से आया था और रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला की तरफ जा रहा था रेल के इस डिब्बे को लेकर काफी लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी किया और कहा कि लगता है कि रतिया वालों की रेलवे की मांग पूरी होने वाली है।

फतेहाबाद। मनोहर मेमोरियल कॉलेज। *फोटो: हरिभूमि*

एमएम कॉलेज में यूजी दाखिले शुरू, 15 जून तक करें आवेदन

- एससी विद्यार्थियों को शून्य फीस का मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जिले के प्रमुख संस्थानों में शामिल मनोहर मेमोरियल पीजी कॉलेज, फतेहाबाद ने नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कॉलेज में 7 मई से ऑनलाइन पंजीकरण प्रारंभ हो चुके हैं। 15 जून अंतिम तिथि है। इच्छुक विद्यार्थी हरियाणा उच्च शिक्षा विभाग के एडमिशन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार संस्थान लगातार शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। पिछले शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कॉलेज के 86 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया था। कॉलेज में बीए के लिए सर्वाधिक 800 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसके अलावा बीकॉम में 240, बीसीए में 100, बीएससी फिजिकल साइंस में 80, बीएससी लाइफ साइंस में 60, बीबीए में 60 तथा बीए पंजाबी ऑनर्स में 40 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे।

छात्राओं और एससी वर्ग को विशेष राहत

कॉलेज प्रशासन ने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र विद्यार्थियों के लिए शून्य फीस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वहीं छात्राओं को ट्यूशन फीस में पूर्ण छूट दी जाएगी। इसके अलावा मेधावी विद्यार्थियों, खेल प्रतिभाओं, सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा सिंगल गर्ल चाइल्ड श्रेणी के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। रतिया रोड स्थित कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों के लिए स्मार्ट क्लासरूम, पूर्ण वातानुकूलित सेमिनार हॉल, कॉन्फ्रेंस हॉल, समृद्ध पुस्तकालय, वाई-फाई कैंपस, विशाल कैफेटेरिया और पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही एनएसएस और एनसीसी ब्वॉयज व गल्र्ज की इकाइयों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और सामाजिक दायित्वों को भी बढ़ावा दिया जाता है।

गिरते लिंगानुपात को लेकर निकाली जागरूकता रैली

- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लिए जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ चोपटा

क्षेत्र के गांव चाहरवाला में हेल्थ विभाग आयुष्मान आरोग्य मंदिर चाहरवाला ने गिरते लिंगानुपात को सुधारने के लिये एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली मे गांव वालो को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं के लिये जागरूक किया गया। एमपीएचडब्ल्यू शारदा देवी, कलावती देवी ने बेटी के महत्व को विस्तार से समझाया। आने वाला समय बेटी का है तथा बेटा बेटी एक समान के बारे मे जागरूक किया तथा गांव के घटते लिंगानुपात के बारे मे चिंता प्रकट की। इस मौके पर नीतू रानी आशावर्कर, सुमनरानी आशावर्कर सरोज आशावर्कर, लिलावती आंगनवाडी वर्कर, सुनैना आगनवाडी हैल्पर ने भी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व घटते लिंगानुपात पर अपने विचार रखे।

सिरसा। लिंगानुपात को लेकर जागरूकता रैली निकालते। *फोटो: हरिभूमि*

खेल के साथ पर्यावरण संरक्षण को दें बढ़ावा : आत्माराम

- गांव नुहियांवाली में करवाई मिनी वालीबॉल प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ ओढां

गांव नुहियांवाली में वालीबॉल क्लब द्वारा मिनी वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें गांव की 4 टीमों ने भाग लिया। क्लब के वरिष्ठ व वैटरन खिलाड़ी सुरज भान डीपीई ने बताया कि गांव की प्रमुख 4 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें फाइनल मुकाबला रमन बनाम अभिषेक की टीमों के बीच में हुआ। रमन की टीम विजेता व अभिषेक की टीम उपविजेता रही। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि महिला सरपंच सुनीता देवी के पति नंबरदार आत्माराम पिंडर ने युवाओं को हौंसला बढ़ाया और खेलों में बढ़-चढक़र भाग लेने का आह्वान किया व विजेताओं को खेल किट देकर सम्मानित किया। आत्माराम पिंडर ने वालीबॉल क्लब सदस्यों के संग खेल प्रांगण में त्रिवेणी लगाकर संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण में युवाओं को विशेष सहयोग व बढ़ावा देना चाहिए। खेल गतिविधियों के साथ साथ पर्यावरण को स्वच्छ व साफ सुथरा रखने में भी युवा पीढ़ी को बढ़ चढक़र हिस्सा लेना चाहिए। प्रतियोगिता को सफल बनाने में विजेन्द्र पीटीआई, सतवीर दत्त, राजेन्द्र जुनियर, राधेश्याम, अशोक कुमार, कमल, राजन, नवीश, विकास, आजाद, गौरव भाया आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिरसा। वॉलीबाल प्रतियोगिता के विजेताओं को किट देकर सम्मानित करते हुए आत्माराम नंबरदार। *फोटो: हरिभूमि*

प्रदेश में बढ़ती शिशु मृत्यु दर चिंताजनक, सरकार उठाए ठोस कदम: सैलजा

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बढ़ती शिशु मृत्यु दर पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना वहां के बच्चों और माताओं का स्वास्थ्य होता है। यदि नवजात शिशु सुरक्षित नहीं हैं तो विकास के बड़े-बड़े दावों का कोई अर्थ नहीं रह जाता। कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में शिशु मृत्यु दर बढक़र प्रति हजार जीवित जन्म पर 24 तक पहुंच गई है। पड़ोसी राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा चंडीगढ़ की तुलना में हरियाणा की स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। सांसद ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में शिशु मृत्यु दर में बढ़ोतरी यह संकेत देती है कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं, नवजात शिशु देखभाल केंद्रों, विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। हर बच्चे को सुरक्षित जन्म और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

धर्म - कर्म मस्ताना शाह बलोचिस्तानी आश्रम डेरा जगमालवाली में सत्संग

सिमरन ही इंसान की असली पूंजी: संत बिरेंद्र सिंह

- दूसरों पर उंगली उठाने से पहले हमे अपने गिरेबान में झांकें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कालांवाली

मस्ताना शाह बलोचिस्तानी आश्रम डेरा जगमालवाली में रविवार को सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुवाणी व प्रवचनों का लाभ उठाया। संत बिरेन्द्र सिंह ने इंसान को बाहरी आडंबरों से दूर रहकर अपने भीतर झांकने और सिमरन की अमूल्य पूंजी इकट्ठा करने की प्रेरणा दी। संत बिरेंद्र सिंह ने कहा कि आज का इंसान दिन-रात दुनियावी पूंजी और भौतिक सुख-साधन जोड़ने में लगा हुआ है, जबकि हमारी असली पूंजी सिमरन (नाम सुमिरन) है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा, हम उस पूंजी को इकट्ठा करने की सोच ही नहीं रहे जो हमारे साथ जाएगी, बल्कि पूरा जीवन उस धन-दौलत के पीछे गंवा रहे हैं जो यहीं छूट जानी है। आज हमें यह सोचने की सख्त जरूरत है कि जिस रास्ते पर हम चल रहे हैं, क्या वह हमें हमारी असली मंजिल की तरफ ले जा रहा है या नहीं? संत ने समाज में फैले अंधविश्वास और बाहरी दिखावे पर चोट करते हुए कहा कि हम सतगुरु की तलाश बाहर कर रहे हैं, जो कि व्यर्थ है। इतिहास गवाह है कि आज तक किसी को भी सतगुरु बाहर नहीं मिले हैं। जिसको भी परमात्मा या सतगुरु की प्राप्ति हुई है, उसे अपने इस शरीर रूपी मंदिर के भीतर ही हुई है। उन्होंने कहा कि हम सब नकल के जाल में फंसकर रह गए हैं और असली तत्व को भूल चुके हैं। सतगुरु केवल भीतर के सिमरन से ही प्राप्त हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में हमेशा हक-हलाल की कमाई करनी चाहिए। हराम की कमाई करने वालों के पास बड़ी गाड़ियां, कोठियां और जमीन-जायदाद तो हो सकती है, लेकिन उनके घर के भीतर कभी आत्मिक शांति और खुशी नहीं मिल सकती। इसके विपरीत, ईमानदारी की कमाई करने वाले व्यक्ति की भले ही झोपड़ी हो, लेकिन उसका घर हमेशा सच्ची खुशी और सुकून से महकता है। प्रवचनों के दौरान उन्होंने इंसान को आत्ममंथन करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि हमें दूसरों के दाग (कमियां) तो तुरंत दिखाई दे जाते हैं, लेकिन अपने दामन पर लगे दाग नजर नहीं आते। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले हमे अपने गिरेबान में झांकना होगा। उन्होंने समाज की संकीर्ण मानसिकता पर बोलते हुए कहा कि हम युगों-युगों से गफलत (अज्ञानता) की नींद में सोते आए हैं और झूठ को सच मानकर जी रहे हैं। लोग धर्मों के चश्मे से सत्संग और संतों को देखते हैं।

सिरसा। संत बिरेंद्र सिंह प्रवचन करते हुए तथा उपस्थित साध संगत।

डेरे में लगेंगी 25 जून से सिमरन क्लास

सत्संग के दौरान संगत के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई। डेरा प्रबंधन की ओर से बताया गया कि संगत को नाम-सिमरन से जोड़ने और आत्मिक उन्नति के लिए संत बिरेन्द्र सिंह जी स्वयं विशेष सिमरन क्लासेस लगाएंगे। यह कक्षाएं दो चरणों में आयोजित होंगी। पहला चरण 25 जून से 30 जून तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 08 जुलाई से शुरू होकर 28 जुलाई तक जारी रहेगा।

कुरुक्षेत्र में सांसद के साथ बर्बरता के विरोध में फूंका सीएम का पुतला

सिरसा। कुरुक्षेत्र में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित समर्थकों के साथ की गई बर्बरता के विरोध में रविवार बाद दोपहर को सुभाष चौक पर यूथ कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का पुतला फूंका गया। इस मौके पर नवदीप कंबोज ने कहा कि नीट सहित अन्य परीक्षाओं के रद्द होने व महंगाई सहित अनेक मुद्दों को लेकर सांसद दीपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र में शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान सरकार के इशारे पर पुलिस की ओर से सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित तमाम कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछारें की गई। उनपर लाठियां बरसाई गई, जोकि किसी सूरत में बर्दाश्त योग्य नहीं है। कंबोज ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाने का हक सभी को है, लेकिन इस तानाशाही सरकार के कार्यकाल में जो भी सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसे लाठियां ही मिली हैं।